बाघ और एशियाई जंगली कुत्ते का सह-अस्तित्व

[स्रोत: द हिंदू](#)

एक हालिया अध्ययन, **'क्या ढोल अर्थात् एशियाई जंगली कुत्ते स्वयं को अपने समस्थानिकों (Sympatric) से पृथक करते/पाते हैं?' 'उष्णकटिबंधीय वनों में आवास उपयोग तथा मांसाहारियों के सह-अस्तित्व',** में शोधकर्त्ताओं ने **असम के मानस राष्ट्रीय उद्यान** के भीतर **ढोलों या एशियाई जंगली कुत्तों (Cuon alpinus)** और बाघों के बीच **सह-अस्तित्व के संबंध** में एक रोचक अंतर्दृष्टि का खुलासा किया है।

- यह अध्ययन उन कारकों पर प्रकाश डालता है जो इस विशिष्ट मांसाहार संबंध को आयाम देते हैं और उनकी अन्योन्य क्रिया तथा आवास प्राथमिकताओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

अध्ययन के मुख्य तथ्य:

- असम के मानस नेशनल पार्क में किये गए अध्ययन से **ढोल (एशियाई जंगली कुत्तों)** और **बाघों** के बीच एक **आश्चर्यजनक सकारात्मक संबंध** का पता चला जो **विरोधाभासी अन्योन्य क्रिया** की पूर्व धारणाओं को चुनौती देता है।
- ढोल और बाघों के बीच सकारात्मक संबंध का कारण **शिकार की उपलब्धता या निवास स्थान की उपयुक्तता** की ओवरलैपिंग हो सकते हैं, जो कार्यस्थल पर अधिक जटिल पारिस्थितिक गतिकी का सुझाव देते हुए आगामी शोध की आवश्यकता को भी प्रेरित करता है।
  - शोध के अनुसार, **क्लाउडेड लेपर्ड्स** (नियोफेलिस नेबुलोसा) के विपरीत सोन कुत्तों/ढोल की गतिविधियों में सामान्य तेंदुओं/लेपर्ड्स के साथ सर्वाधिक अस्थायी समानताएँ पाई गईं।
- निवास स्थान के नुकसान, शिकार की उपलब्धता में कमी, बीमारी और अन्य प्रजातियों के साथ संघर्ष के परिणामस्वरूप ढोल प्रजाति की आबादी में गिरावट को देखते हुए यह अध्ययन **ढोल के संरक्षण हेतु मानस राष्ट्रीय उद्यान के महत्त्व** पर ज़ोर देता है।

सोन कुता/ढोल (Dhole):

- **परिचय:**
    - ढोल (कुओन अल्पनिस) एक जंगली मांसाहारी जानवर है तथा **कैनिडे समूह और स्तनधारी वर्ग** से संबंधित है।
- **प्राकृतिक आवास:**
    - ढोल मुख्यतः **दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाते हैं**,इनकी एक बड़ी आबादी चीन में निवास करती है। **ऐतिहासिक रूप से वे पूरे दक्षिणी रूस और दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाते थे।**
    - वर्ष 2020 में किये गए एक अध्ययन के अनुसार, ये भारत में **पश्चिमी और पूर्वी घाट, मध्य भारत** तथा पूर्वोत्तर भारत में पाए जाते हैं। इनके संरक्षण में **कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों** की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- **संरक्षण स्थिति:**
    - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**: अनुसूची 2।**
    - **IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय।**
    - **वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (CITES): परिशिष्ट।**
    - **प्रोजेक्ट टाइगर** के तहत निर्मित रिज़र्व/अभ्यारण्य से बाघों के समस्थानिक ढोल आबादी को कुछ सुरक्षा प्रदान मिली है।
        - वर्ष 2014 में भारत सरकार द्वारा विशाखापत्तनम में इंदिरा गांधी प्राणी उद्यान (IGZP) में**ढोल संरक्षण के लिये पहला प्रजनन केंद्र** बनाया गया।
- **मानस राष्ट्रीय उद्यान:**
    - यह भारत के असम में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान, **प्रोजेक्ट टाइगर रिज़र्व,** हाथी रिज़र्व और एक **बायोस्फीयर रिज़र्व** है। यह भूटान के रॉयल मानस नेशनल पार्क से सीमा साझा करता है।
    - इसे वर्ष **1990** में **राष्ट्रीय उद्यान** घोषित किया गया तथा वर्ष **1988** में **यूनेस्को विश्व धरोहर** स्थल का दर्जा प्राप्त हुआ।
    - मानस राष्ट्रीय उद्यान में भारतीय प्रजाति के एक सींग वाले गैंडे**,** एशियाई हाथियों**,** बाघों, क्लाउडेड लेपर्ड, **हूलॉक गिबन** जैसे जीवों की विविध प्रजातियों को संरक्षित किया जाता है।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राक्रतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

तथ्य

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की सिफारिश पर राज्य सरकार किसी क्षेत्र को बाघ अभयारण्य/टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित कर सकती है।
- सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य (कोर क्षेत्र): नागार्जुनसागर श्रीशैलम (आंध्रप्रदेश)
- सबसे छोटा बाघ अभयारण्य: ओरंग (असम)
- सर्वाधिक बाघ घनत्व वाला अभयारण्य: कॉर्बेट (उत्तराखंड) (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)
- सर्वाधिक बाघ आबादी वाला राज्य: मध्य प्रदेश (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

[illegible]:

प्रश्न 1. निम्नलिखित रक्षित क्षेत्रों पर विचार कीजिये: (2012)

1. बांदीपुर
2. भीतरकणिका
3. मानस
4. सुन्दरबन

उपर्युक्त में से कौन से बाघ-आरक्षित क्षेत्र घोषित हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/coexistence-of-tiger-and-asiatic-wild-dog